हार आदि) कालीनें चमड़े का माल आदि कयर तथा जूट के बिछावन ।

(७) पुस्तकें, प्रकाशित सामग्री, मानचित्र, रेखाचित्र, फोटोग्राफ, और अन्य प्रचार सामग्री ।

(ग) मेले के दौरान लगभग ८०,००० रु० के मूल्य की वस्तुएं बेची गई । जितने माल के सौदे हुए उनका मूल्य लगभग १४२ लाख रु० है । भारतीय व्यापारियों तथा पूर्वी जर्मनी (जी० डी० आर०) के मध्य अभी आगे भी बातचीत जारी है और उनका परिणाम भी यथासमय ज्ञात हो जायगा ।

Retrenchment in Khadi Commission

1638. Shri A. V. Raghavan: Will the Minister of **Industry** be pleased to state:

(a) whether employees of the Khadi and Village Industries Commission have been served with notices of termination of services on the ground that Emergency is over;

(b) if so, the number of persons who have been served with such notices; and

(c) whether the supply of blankets to the Central Government for defence purposes have been stopped?

The Minister of Industry (Shri Kanungo): (a) Some employees who were recruited for the Khadi Gram Udyog Bhavan, Delhi, on a temporary and casual basis, on daily rate of wages, were informed on completion of the extra work for which they were recruited that their services would not be required after 31-3-1964. Though the expression emergency was used in the Notices, there is no connection with the National Emergency.

(b) Thirty-eight.

(c) The supply was completed.

12 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Correspondence between Prime Minister and President Ayub Khan

The Minister without Portfolio (Shri Lal Bahadur Shastri): Sir, I beg to lay copies of correspondence exchanged between our Prime Minister and President Ayub Khan in regard to the proposal for a meeting of the Home Ministers of the Government of India and Pakistan to consider the problems arising from recent communal disorder. [*Placed in Library. See* No. LT-2593/64].

Shri Nath Pai (Rajapur): Has any date been fixed for the meeting of the two Home Ministers in view of the importance and urgency of the problem?

Shri Lal Bahadur Shastri: Not yet; we would like that, if possible, it should be held in the first week of April.

12.01 hrs.

RE: CALLING ATTENTION NOTICE

श्री बड़े (खारगोन) : अध्यक्ष महोदय, कल यहां पर जो आग लगी थी, हम ने उस के बारे में कालिंग एटेंशन नोटिस दिया है । उस में आठ, दस लाख रुपये का नुकसान हो गया है । यह दुर्घटना दिल्ली में पार्लियामेंट के पास ही हुई है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं ने उस की इजाजत नहीं दी है । माननीय सदस्य उस को इस तरह क्यों उठाते हैं ? अगर माननीय सदस्य जैसे सीनियर मेम्बर इस तरह सवाल उठायें, तो मुनासिब नहीं है । वह अपने आप खड़े हो कर बात करने लगे हैं ।

श्री बड़े : अध्यक्ष महोदय, वहां पर दस पन्द्रह लाख रुपये का नुकसान हुआ है ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री ओंकार लाल बेरवा (कोटा) : अध्यक्ष महोदय, मैं ने भी कालिंग एटेंशन नोटिस दिया है ।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य मेरे पास आ कर उस के बारे में पूछ लें ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : लखनऊ में हथियारों का बड़ा कारखाना पकड़ा गया है । उस में पाकिस्तानियों का हाथ बताया जाता है ।

Mr. Speaker: Order, order. How can we proceed in this manner? I have requested hon. Members every day to come to me if they had any grievance. I cannot allow things like this.

श्री बृजराज सिंह (बरेली) : अध्यक्ष महोदय, आप हाउस में बता दें कि किस प्रकार के कालिंग एटेंशन नोटिस हम को देने चाहिए, ताकि हम उसी तरह के कालिंग एटेंशन नोटिस दिया करें । अगर हम को मालूम हो जायेगा, तो हम उसी तरह के कालिंग एटेंशन नोटिस दिया करेंगे

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य बैठ जायें । मुझे मालूम नहीं है कि किस तरह के कालिंग एटेंशन नोटिस देने हैं । माननीय सदस्य रूल्ज को देखें और वह उसी तरह के कालिंग एटेंशन नोटिस दें, जिस तरह के रूल्ज के मुताबिक देने चाहियें । मैं उन में से कोई स्पेसिफाई नहीं कर सकता और आर्ग्युमेंट करना भी मेरे लिए बड़ा मुश्किल है । सब को लाना मेरे लिए नामुमकिन है । मेरा ख्याल है कि अगर आप भी स्पेसिफाई करना चाहेंगे, तो नहीं कर सकेंगे । मुझ में तो इतनी काबलियत भी नहीं है कि मैं कर सकूं ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : अध्यक्ष महोदय, ...

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य मेरे पास आ जायें, अगर वह मुझ से इस बारे में बात करना चाहते हैं, तो ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : आप मेरी थोड़ी सी बात तो सुन लें ।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, इस वक्त नहीं ।

12.03 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Annual Report and Audited Accounts of Hindustan Steel Limited, Ranchi

The Minister of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri C. Subramaniam): I beg to lay on the Table a copy each of the following papers:—

(i) (a) Annual Report of the Hindustan Steel Limited, Ranchi, for the year 1962-63 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956.

(b) Review by the Government on the working of the above Company. [*Placed in Library. See No.* LT-2594/63].

(ii) Notification No. G.S.R. 258 dated the 29th February, 1964 under sub-section (1) of section 28 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1937. [*Placed in Library. See* No. LT-2595/64].

Report of Indian Productivity Team on Printing Industry

The Minister of Industry (Shri Kanungo): I beg to lay on the Table a copy of Report of Indian Productivity Team on Printing Industry in British, U.S.A. and Japan. [*Placed in Library. See* No. LT-2509/64].